

13/10/25

पतावली पेरा हुई। आधि. उर्ध्व मम उर्ध्व
अनुपास्थित। कर्म-कर्म कर तीव्र वार आवासे
पिलवार्द गई। समस्त स्तोत्र 57 म से पुत्रा है। कता
उर्ध्व मम उर्ध्व अधिवक्ता के अनुपास्थित वदे पर
उर्ध्व म प्रथिना पत्र अफम मजरी / अफम पंथी
मे-वदित किता पाता है। पतावली केवल सुमार
दोहर-उत्तर से मम ही

विधि सुमार मम।

